Code No. **29/2/2**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

हिन्दी (वैकल्पिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7, 7

(क) सच्चाई की पहचान कि पानी साफ रहे
जो भी चाहे, ले परख जलाशय के तल को,
गहराई का वे भेद छिपाते हैं केवल,
जो जान-बूझ गँदला करते अपने जल को ।

अथवा

आँसू कन-कन से छल-छल,
सरिता भर रही दृगंचल,
सब अपने में हैं चंचल,
छूटे जाते सूने पल,
खाली न काल का है निषंग ।

(ख) श्रीगुर पद नख मनिगन जोती । सुमिरत दिव्य दृष्टि हियँ होती ।।
दलन मोह तम सो सुप्रकासु । बड़े भाग उर आवइ जासू ।।
उघरहिं बिमल बिलोचन ही के । मिटहिं दोष दुख भव रजनी के ।।
सूझहिं रामचरित मनि मानिक । गुपुत प्रगट जहँ जो जेहिं खानिक ।।

अथवा

सखी एक तेई खेल न जाना । भै अचेत मनि हार गँवाना ।।
कँवल डार गहि भै बेकरारा । कासौं पुकारौं आपन हारा ।।
कित खेलै आइउँ एहि साथा । हार गँवाइ चलिउँ लेइ हाथा ।।
घर पैठत पूँछब यह हारू । कौन उतर पाउब पैसारू ।।

2. (क) ''एक पल में फिर जात हैं, जोगी काके मीत ।''
— इस दोहा-पंक्ति में कवि ने 'जोगी' किसे कहा है और जोगी की स्वभावगत विशेषता क्या बताई है ? 2

(ख) 'पहचान' कविता में साम्प्रदायिक हिंसा की शिकार हुई बच्ची की माँ की पीड़ा का धर्म और घायलों की चीख का मर्म बताने में कवि असमर्थता क्यों प्रकट करता है ? स्पष्ट कीजिए। 3

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 5

लोचन लोल बिसाल बिलोकनि, को न बिलोकि भयो बस माई ।
वा मुख की मधुराई कहा कहो, मीठी लगे अँखियान लुनाई ।।

अथवा

उदरंभरि बन अनात्म बन गए,
भूतों की शादी में कनात-से तन गए,
किसी व्यभिचारी के बन गए बिस्तर,
दुखों के दागों को तमगों-सा पहना,
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना ।

4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** विद्यापति के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 6

5. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6, 6

(क) घुमक्कड़-धर्म से बढ़कर दुनिया में धर्म नहीं है। घुमक्कड़ होना आदमी के लिए परम सौभाग्य की बात है। यह पंथ अपने अनुयायी को मरने के बाद किसी काल्पनिक स्वर्ग का प्रलोभन नहीं देता, इसके लिए तो कह सकते हैं — 'क्या खूब सौदा नकद है — इस हाथ ले, उस हाथ दे।'

(ख) जहाँ तक रूढ़ि है, वहाँ तक शुद्ध शक्ति नहीं है, इसलिए प्रसादजी रूढ़ियों का तिरस्कार करके एकमात्र शक्ति के ही साधक हुए। इस साधना में उनके समान सफल साहित्यकार मुझे इस युग में कोई दूसरा नहीं दिखलाई देता। अपने उद्देश्य के प्रति ऐसी एक निष्ठा मैंने किसी आधुनिक कलाकार में नहीं देखी। इसे आप बनारसी रंग कहें या काशी की महिमा कहें या 'प्रसादजी' की अपनी सूझ कहें, संस्कृति कहें, जो कुछ चाहे कहें।

(ग) जैसे लकड़ी चीरने की आरा मशीन के नीचे मज़दूर लकड़ी का लट्ठा खिसकाता जाता है और वह चीरता जाता है, वैसे ही मैंने विरोधियों के नाम एक-एक करके खिसकाए और वह उन्हें काटता गया। कैसा आनंद था ! दुश्मनों को रणक्षेत्र में एक के बाद एक कटकर गिरते हुए देखकर योद्धा को ऐसा ही सुख होता होगा।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए। 4, 4

(क) लेखक ने वैर को क्रोध का अचार या मुरब्बा क्यों कहा है ? 'क्रोध' पाठ के आधार पर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मंत्र' कहानी के आधार पर बूढ़े भगत की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'भीष्म को क्षमा नहीं किया गया !' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने भीष्म के अपराध को द्रोण के अपराध से बड़ा क्यों माना है।

7. सुंदरलाल बहुगुणा **अथवा** मृदुला गर्ग के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 5

8. (क) '' 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के कथोपकथन उपन्यास में नाटकीयता का गुण लाकर उसे रोचक बना देते हैं।'' — इस कथन के आलोक में 'निर्मला' अथवा 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के कथोपकथनों पर 60–70 शब्दों में विचार कीजिए। 5

(ख) 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर शालिनी **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 4

9. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 40–50 शब्दों में अपेक्षित है। 3, 3

(क) '' 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' की भाषा-शैली प्रसंगानुकूल विविधता लिए हुए है।'' इस कथन की पुष्टि उपन्यास से उदाहरण देते हुए कीजिए।

(ख) ''देश-काल और वातावरण-चित्रण की दृष्टि से 'निर्मला' **अथवा** 'ज्यों मेंहदी को रंग' एक सफल उपन्यास है।'' — कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ग) ''उपन्यास का एक उद्देश्य सामाजिक चेतना में क्रान्तिकारी बदलाव लाना भी है।'' — इस कथन के आलोक में 'ज्यों मेंहदी को रंग' **अथवा** 'निर्मला' उपन्यास पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

10. रामभक्ति काव्य की चार सामान्य विशेषताओं का परिचय देते हुए इस काव्य के प्रसिद्ध कवि और उसकी एक रचना का नाम लिखिए। 5

अथवा

भारतेन्दु काल के काव्य की चार सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए इस काल के दो प्रसिद्ध कवियों के नाम लिखिए।

11. 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध' **अथवा** 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी' के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

12. छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम लिखिए। 5

अथवा

प्रयोगवादी काव्य से क्या तात्पर्य है ? इस काव्य धारा के काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

13. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 15

(क) राष्ट्र हित : सर्वोपरि हित

(ख) जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान

(ग) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(घ) वर्तमान चुनाव प्रणाली और उसमें सुधार की आवश्यकता

(ङ) नैतिक मूल्यों के विकास में शिक्षक की भूमिका